सारस न्यूज

Saaras News – सारस न्यूज़ – चुन – चुन के हर खबर, ताकि आप न रहें बेखबर

किशनगंज

“सबसे गरीब उम्मीदवारों में से एक हूँ, चंदे पर लड़ रहा हूँ चुनाव” – कसबा से AAP प्रत्याशी भानु भारतीय का बड़ा बयान

उर्वशी कुमारी   Oct 15, 2025   0

Post Views: 87

सुनें रोकें बंद करें

कसबा विधानसभा (क्षेत्र संख्या 58) से उम्मीदवार भानु भारतीय ने अपने चुनावी अभियान के दौरान भावनात्मक अपील करते हुए बड़ा बयान दिया है। उन्होंने खुद को इस चुनाव के "सबसे गरीब उम्मीदवारों में से एक" बताते हुए कहा कि वह आम जनता, दोस्तों और रिश्तेदारों के चंदे के सहारे चुनाव लड़ रहे हैं।

1 करोड़ तक जाता है सीट का रेट

AAP ने दी सामान्य आदमी को जगह। बुधवार को श्रीनगर प्रखंड में अपनी पदयात्रा और जनसंपर्क अभियान के दौरान भानु भारतीय ने चुनावी फंडिंग की चुनौतियों पर खुलकर बात की। उन्होंने दावा किया कि अन्य पार्टियों में अधिकांश सीटों का रेट लगभग 1 करोड़ रुपये तक जाता है, लेकिन आम आदमी पार्टी ही उनके जैसे "सामान्य आदमी" को टिकट दे सकती है।
भानु भारतीय ने कहा, "**मेरे जैसा सामान्य आदमी, इस बार के बिहार चुनाव में सबसे गरीब उम्मीदवारों में एक है, जिसके पास पैसे नहीं हैं। मुझे आम आदमी पार्टी ही टिकट दे सकती है, नहीं तो अन्य पार्टी में अधिकांश सीट का रेट 1 करोड़ तक जाता है।**"

उन्होंने स्पष्ट किया कि हर पार्टी को फंड की जरूरत होती है, लेकिन आम आदमी पार्टी में एक सामान्य व्यक्ति को भी मौका मिलता है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा, "मुझे जैसे सामान्य व्यक्ति को मेरे पिताजी, आम जनता, दोस्त, रिश्तेदार चंदे के रूप में सहयोग करके कसबा विधानसभा से चुनाव लड़वा रहे हैं। हम लोग चुनाव मजबूती से लड़ रहे हैं और कसबा विधानसभा से चुनाव जीतेंगे।"

बिहार के विकास तक नहीं पहनेंगे चप्पल

भानु भारतीय ने अपने व्यक्तिगत संकल्प का भी जिक्र किया, जो मतदाताओं के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। उन्होंने बताया कि वह पिछले कई वर्षों से पैरों में चप्पल नहीं पहन रहे हैं क्योंकि उन्होंने यह कसम खाई है कि जब तक बिहार विकसित नहीं होता, तब तक वह चप्पल नहीं पहनेंगे।

श्रीनगर प्रखंड में AAP का काफिला

इससे पहले, मंगलवार को कार्यकर्ताओं के बीच प्रसारित एक संदेश के अनुसार, भानु भारतीय के नेतृत्व में AAP का काफिला बुधवार सुबह 7:00 बजे से श्रीनगर प्रखंड में जनसंपर्क के लिए निकला। इस दौरान उन्होंने घर-घर जाकर वोट मांगे और लोगों को दिल्ली और पंजाब में AAP सरकार के 'कामकाज के मॉडल' के बारे में बताया। यह डोर-टू-डोर अभियान यह दर्शाता है कि पार्टी जमीनी स्तर पर मतदाताओं से सीधे जुड़ने की रणनीति पर काम कर रही है।

चुनाव